नीतीश मिश्रा
पूर्व मंत्री
बिहार सरकार

सदस्य
बिहार विधान सभा

Ref: 225/2021
Dt- 6-7-2021

अपर मुख्य सचिव,
शिक्षा विभाग,
बिहार, पटना।

विषयः–**मिथिला की ज्ञान एवं संस्कृति की धरोहर दुर्लभ 20 हजार पांडुलिपियों के संरक्षण के संबंध में।**

महाशय,

मिथिला भूमि अपने बौद्धिक तथा आध्यात्मिक ज्ञान से भारतवर्ष को हजारों वर्षों से प्रकाशित कर रही है जो ज्ञान रूपी प्रकाश पूँज इस भूमि के द्वारा समस्त संसार को दिया गया है उसके समान अन्य ज्ञान पूँज उसके समकक्ष पूर्ति हेतु कहीं भी उपस्थित नहीं होता है।

मिथिला क्षेत्र आदिकाल से ही ज्ञान एवं संस्कृति की धरती रही है। अनेकानेक मनीषियों द्वारा हस्तलिखित दुर्लभ लगभग 20 हजार पांडुलिपियों को संरक्षित नहीं किये जाने से आज नष्टप्राय की स्थिति में है। कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय में करीब 5500 तथा मिथिला स्नातकोत्तर संस्कृत अध्ययन एवं शोध संस्थान में लगभग 12500 पांडुलिपि संग्रहित है। इसके लिए इंडियन नेशन ट्रस्ट ऑफ आर्ट एंड कल्चरल हेरीटेज (इंटैक) के प्रयास भी अभी तक असफल रहा है।

मिथिला की इन पांडुलिपियों का संरक्षण नहीं किया गया तो मिथिला के ज्ञान–विज्ञान से आने वाले युवा पीढ़ी वंचित रह जाएगी। मिथिला में इस तरह की दुर्लभ पांडुलिपि का संग्रह भारतवर्ष में अन्यत्र कहीं उपलब्ध नहीं है।

अतः अनुरोध है कि मिथिला की दुर्लभ पांडूलिपियों को संरक्षित करने पर समुचित विचार करना चाहेंगे।

शुभकामनाओं के साथ!

भवदीय

Nitish Mishra
(नीतीश मिश्रा) 6·7·21

112, कौटिल्य नगर, पटना 800014
Tel. : 0612 222 6263 Fax : 0612 222 5218 E-mail : nitishmishraoffice@gmail.com
/NitishMishraOfficial @mishranitish www.jhanjharpur.co.in